अभ्यास प्रश्न पत्र 2023
कक्षा - 10 वी
विषय - सामाजिक विज्ञान

किफायती
Date
Pages
Rituraj

Set - A

Q-1] सही विकल्प का चयन कीजिए:-

(i) "हमे ही देश के लिए कुरबानी देने के लिए क्यों चुना गया?" कथन किससे संबंधित है?

Ans- बाँध विस्थापित से ।

(ii) निम्नलिखित मे से कौन-सा देश वियना की ~~कां~~ कांग्रेस मे शामिल नही हुआ?

Ans- स्विट्जरलैंड ।

(iii) गिरमिट से तात्पर्य है?

Ans- (अ) एग्रीमेंट ।

(iv) श्रीलंका की राजधानी है?

Ans- (अ) कोलंबो ।

(v) लोकतंत्र के मूल्यांकन के लिहाज से इनमे से कोई एक चीज लोकतांत्रिक व्यवस्थाओ के अनुरूप नही है। उसे चुने:-

Ans- (स) बहुसंख्यको का शासन ।

किफायती
Date........
Pages........
Rituraj

(vi) भारत के इनमे से किस राज्य मे 90% ग्रामीण लोग राशन की दुकानो का प्रयोग करते है?

Ans- तमिलनाडु ।

Q-2] रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

(i) एल्यूमीनियम का कच्चा माल बॉक्साइड है ।

(ii) 'गॉड सेव अवर नोबल किंग' ब्रिटिश साम्राज्य का ~~स्व~~ राष्ट्रगान है

(iii) प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों की गतिविधियाँ परस्पर निर्भर है।

(iv) भारत मे जाति पर आधारित सामाजिक विभाजन है।

(v) भौगोलिक रूप से बेल्जियम की तुलना भारतीय राज्य हरियाणा से की गई है।

(vi) लोकतंत्र का मतलब है जनता का शासन ।

Q-3] सही जोड़ियाँ बनाइए:-

सूची (अ) सूची (ब)

(i) विश्व का सबसे बड़ा उद्योग ⇒ कपड़ा ।

(ii) बेंगलुरु ⇒ राज्य सूची ।

(iii) गोलमेज सम्मेलन ⇒ लंदन ।

(iv) मानव विकास रिपोर्ट ⇒ यू. एन. डी. पी.

(v) वाणिज्य ⇒ सॉफ्टवेयर पार्क

(vi) प्राकृतिक पतन. ⇒ मुंबई ।

Q-4) एक शब्द / वाक्य मे उत्तर दीजिये :-

(i) भारत की पहली रेल मुम्बई से थाणे के बीच चली । इसने कितनी दूरी तय की थी?

Ans:- -34 किलोमीटर ।

(ii) महात्मा गाँधी ने अपना आध्यात्मिक उत्तराधिकारी किसे घोषित किया था?

Ans:- आचार्य विनोबा भावे ।

(iii) एक लैगून के मुहाने पर स्थित प्राकृतिक पोताश्रय का नाम लिखिए?

Ans:- कोच्चि का पतन ।

(iv) धर्म और राजनीति को अलग नही किया जा सकता किसका कथन है?

Ans:- महात्मा गाँधी ।

(v) विमुद्रीकरण किसे कहते है?

Ans:- विमुद्रीकरण एक आर्थिक क्रिया है जिसके अंतर्गत सरकारी पुरानी मुद्रा को समाप्त कर देती है

(vi) न्युकैसल से ट्रांसवाल की ओर बढ़ रहे जुलूस का नेतृत्व किसने किया था?

Ans:- महात्मा गाँधी ने ।

Q-3] सत्य / असत्य लिखिए:-

(i) वन संरक्षण एवं प्रबंधन की दृष्टि से वनों को तीन भागों मे वर्गीकृत किया गया है। (सत्य)

(ii) वेतन की अपेक्षा जमीन और मालतू पशुओं पर निर्भरता वाला महाद्वीप अमेरिका था। (असत्य) अफ्रीका

(iii) स्पिनिंग जेनी मशीन को इंगलैंड की महिलाएँ बहुत पसंद करती है। (असत्य)

(iv) लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था वाले देशों की विकास दर सबसे अधिक होती है। (सत्य)

(v) काम का अधिकार और मनरेगा अलग - अलग है। (सत्य)

(vi) आयात पर कर व्यापार अवरोध का एक उदाहरण है। (सत्य)

Q-6] संसाधन किसे कहते है?

Ans-6] पर्यावरण मे उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने मे प्रयुक्त की जा सकती है और जिसको बनाने के लिए प्रौद्योगिक उपलब्ध है तथा हमारे लिए आवश्यक होता है उसे संसाधन कहते है।

अथवा

मानव निर्मित संसाधनों के चार उदाहरण दीजिए?

मानव निर्मित संसाधनो के चार उदाहरण निम्नलिखित है:-

(1) वाहन ।
(2) सड़क ।
(3) मशीने ।
(4) उपकरण ।

Q-7] औपनिवेशिक काल मे साम्राज्यवादी शासक अपने उपनिवेशों के संसाधनों का शोषण करने मे क्यों सफल रहे?

Ans-7] औपनिवेशिक शासक काल मे साम्राज्यवादी शासकों ने अपने उपनिवेश

क्षेत्रों में संसाधनों का समुचित विदोहन किया जिससे की वे अपने लाभ को अधिकतम प्राप्त कर सके और अपने साम्राज्य का विस्तार करते हुए उसे मजबूती प्रदान कर सके ।

अथवा

नवीकरण व अनवीकरण संसाधन किसे कहते है?

नवीकरण संसाधन :- वे संसाधन जो प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, जो कभी समाप्त नही होंगे, उन्हें नवीकरण संसाधन कहते है।
जैसे:- हवा, सौर ऊर्जा, जल ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा आदि ।

अनवीकरण संसाधन :- वे संसाधन जो लम्बे समय तक उपयोग के बाद समाप्त हो जाएंगे, जिन्हे फिर से पुन: उत्पन्न नही किया जा सकता है, वे अनवीकरण संसाधन कहलाते है।
जैसे:- जीवाश्म ईंधन, धातु आदि ।

Q-8] भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण से क्या तात्पर्य है?

Ans-8] भूमंडलीकरण:- भूमंडलीकरण का तात्पर्य विश्व के सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं, क्षेत्रों को एक-दूसरे के साथ जोड़ने की प्रक्रिया को भूमंडलीकरण कहते है।

वैश्वीकरण :- वैश्वीकरण एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें किसी भी

किफायती
Date.........
Pages.........
Rituraj

देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अन्य व्यवस्थाओं मे विदेशी व्यापार एवं विदेशी द्वारा जोड़ा जाता है वैश्वीकरण के कारण आज सम्पूर्ण विश्व एक हो चुका है।

अथवा

रेशम मार्ग क्यों महत्वपूर्ण था?

रेशम मार्ग एक ऐसा मार्ग था जो एशिया के विशाल भागों को परस्पर जोड़ने के साथ ही तथा आरी अफ्रीका से जा मिलते थे यह मार्ग ईसा पूर्व मे ही अस्तित्व मे आ चुका था और लगभग 15 वीं शताब्दी तक अस्तित्व मे रहा, इस मार्ग मे अधिकांशत रेशम का व्यापार होता था इसलिए इसे रेशम मार्ग कहते है।

Q-9) औद्योगीकरण के शुरूआती दौर मे व्यापारी मशीनों से दूर ही रहना पसंद करते थे, क्यों?

Ans-9) मशीने मंहगी होती थी और उनके मरम्मत मे भी काफी खर्च लगता था आविष्कारकों या निर्माताओ के दावो के विपरीत नई मशीने बहुत कुशल भी नही थी उस जमाने मे श्रमिको की किल्लत या अधिक पारिश्रमिक जैसी कोई समस्या नही थी। मशीनो से बनी चीजे हाथ से बनी चीजों की गुणवत्ता और सुंदरता का मुकाबला नही कर पाती थी।

अथवा

महिलाओं ने स्पिनिंग जेनी का विरोध क्यों किया?

किफायती
Date
Pages
Rituraj

जेम्स हरग्रीव्स ने 1764 मे स्पिनिंग जेनी का अविष्कार किया था इस मशीन ने कताई की प्रक्रिया को तेज कर दिया लेकिन इस मशीन के आने के बाद मजदूरों की मांग घटने लगी एक ही पहिया घुमाने वाला एक मजदूर बहुत सारी तकलियों को घुमा देता था और एक साथ बहुत से धागे बन जाते है।

Q-19] एक कृषि आधारित उद्योग तथा एक खनिज आधारित उद्योग का नाम लिखिए?

Ans-19] (1) कृषि आधारित उद्योग मे है जो कच्चे माल के रूप मे वनस्पति और जंतु आधारित उत्पादों का प्रयोग करते है। उदाहरण के लिए खाद्य संसाधन सूती वस्त्र आदि।
(2) खनिज आधारित उद्योग मे है जो खनिज अयस्क का प्रयोग कच्चे माल के रूप मे करते है यह प्राथमिक उद्योग है।

अथवा

उर्वरक उद्योग के तीन प्रमुख पोषक उर्वरकों के नाम लिखिए?

उर्वरक उद्योग के तीन प्रमुख पोषक उर्वरकों के नाम निम्न है:-

(1) यूरिया।
(2) डाई अमोनियम फास्फेट (डी-ए-पी-)।
(3) सुपर फास्फेट।
(4) जिंक सल्फेट।
(5) पोटाश खाद।

Q-11] क्या आप मानते है की आर्थिक गतिविधियों की प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र मे विभाजन की उपयोगिता है?

Ans-11] आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र मे विभाजन कई दृष्टिकोण से उपयोगी है।

(1) यह रोजगार की स्थिति को दर्शाता है:- आर्थिक गतिविधियों का वर्गीकरण विभिन्न क्षेत्रों मे रोजगार की स्थिति दिखाता है उदाहरण के लिए, भारत जैसे विकासशील देशो मे ज्यादातर लोग प्राथमिक क्षेत्र मे लगे हुए है दूसरी ओर विकसित देशों मे जैसे अमेरिका मे अधिकांश लोग माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र मे कार्यरत है

(2) सरकारी योजना के लिए :- आर्थिक गतिविधियों का वर्गीकरण भी सरकार को कदम उठाने मे मदद करता है ताकि अधिक से अधिक लोग और कृषि क्षेत्रों मे विशेषकर तृतीयक क्षेत्र मे कार्यरत है क्योंकि ये क्षेत्र प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के विकास मे मदद करता है।

अथवा

भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास मे तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्वपूर्ण भूमिका नही निभा रहा है क्या आप इससे सहमत है?

भारतीय अर्थव्यवस्था मे सबसे ज्यादा योगदान प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों का ही है किन्तु भारतीय अर्थव्यवस्था मे तृतीयक क्षेत्र का योगदान सबसे कम है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था मे तृतीयक क्षेत्र मे सबसे कम लोग

लोग लगे हुए है इसी कारण भारती अर्थव्यवस्था मे तृतीयक क्षेत्र सबसे कम योगदान दे या रहा है यही कारण है की भारतीय अर्थव्यवस्था मे तृतीयक क्षेत्र का योगदान सबसे कम है।

Q:-12) विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश मे दो अंतर स्पष्ट कीजिए?

Ans:-12)

विदेशी व्यापार	विदेशी निवेश
(1) यह विभिन्न दुनिया के बाजारों को जोड़ता है।	(1) इसके परिणामस्वरूप पूंजी, प्रौद्योगिक और अन्य संसाधनों के रूप मे निवेश होता है।
(2) यह लाभ कमाने और वैश्विक बाजारों मे प्रवेश करने पर जोड़ देता है।	(2) इसका मुख्य उद्देश्य लंबी अवधी के लिए आयु उत्पन्न करना है।

अथवा

वैश्वीकरण के दो दुष्परिणाम लिखिए?

(1) आर्थिक असंतुलन :- वैश्वीकरण के कारण विश्व मे आर्थिक असंतुलन पैदा हो रहा है गरीब राष्ट्र अधिक गरीब एवं अमीर राष्ट्र अधिक सम्पन्न हो रहे है।

किफायती
Date.....
Pages.....
Rituraj

(4) देशी उद्योगों का पतन :- वैश्वीकरण के कारण स्थानीय उद्योग धीरे - धीरे बन्द होते जा रहे है विदेशी माल के सामने देशी उद्योग टिक नही पाते उनका माल बिक नही पाता यह घाटे मे बेचना पड़ता है यही कारण है की कई उद्योग बंद होने की कगार पर है या बंद हो गए है।

Q-23) रेल परिवहन के महत्व लिखिए?

Ans-23) रेल परिवहन के महत्व निम्नलिखित है:-

(1) भारी सामान ढुलाई की सुविधा :- रेल यातायात द्वारा भारी सामान को आसानी से ढोया जा सकता है। जबकि सड़को द्वारा या संभव नही होता।

(4) निर्यात व्यापार को प्रोत्साहन :- देश से निर्यात होने वाली वस्तुओं को बंदरगाह तक पहुँचाए रेलो के अन्य साधनों की अपेक्षा अधिक योगदान होता है।

अथवा

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार किसे कहते है?

जब वस्तुओं एवं सेवाओं का क्रय विक्रय दो भिन्न देशो के मध्य जल, थल तथा वायु मार्गो द्वारा होता है उसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते है।

Q-24) भारतीय किसान अपने बेटे को किसान क्यों नही बनाना चाहता है?

Ans-14) भारतीय किसान अपने बेटे को किसान नही बनाना चाहता क्योंकि किसान को लगता है की कृषि कोई लाभ का धंधा नही है वर्षा का समय से न आना कृषि लागतों का ज्यादा होना और फसल पक जाने पर भी उसका उचीत मूल्य नही मिल पाना आदि ऐसे कारण है जो भारतीय किसान की ऐसी दयनीय स्थिति को दर्शाता है इसी कारण कोई भी भारतीय किसान ये नही चाहता की उसका बेटा भी किसान बने ।

अथवा

रबी और खरीफ की फसलों मे दो अंतर लिखिए?

	~~रबी~~ खरीफ	~~खरीफ~~ रबी
(1)	यह ऋतु मानसून के आगमन के साथ ही शुरू होती है।	(1) यह फसल मानसून ऋतु के बाद शरद ऋतु के साथ शुरू होती है।
(2)	इसकी प्रमुख फसले चावल, ज्वार, मक्का, कपास और मूँगफली आदि है।	(2) इसकी प्रमुख फसले चना, सरसों, जौं, जैसे तेल निकालने वाले बीज आदि है।

Q-15) पवनहंस क्या है? इसके कार्य लिखिए?

Ans-15) पवनहंस हैलीकॉप्टर लिमिटेड भारत की एक हैलीकॉप्टर सेवा है इसके प्रचालन जुहू विमान क्षेत्र मुंबई पश्चिम से नियमित होते है यह कम्पनी ओएनजीसी को ऑफशोर स्थलों पर सेवाऐं

किफायती
Date
Pages
Rituraj

देने के अलावा कई राज्य सरकारों को, विशेषकर पूर्वोत्तर भारत मे सेवाएँ प्रदान करता है।

पतनहंस के कार्य :- (1) दुर्गम क्षेत्रो को जोड़ने मे।
(2) इन्सुलेटर की हॉटलाइन बुलाई मे।
(3) हेली तीर्थ यात्री को पहुँचाने मे।

अथवा

भारत सरकार द्वारा घोषित दो ~~सरकार~~ राष्ट्रीय जलमार्गो के नाम लिखिए?

निम्न जलमार्गों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

(1) हल्दिया तथा इलाहाबाद के मध्य गंगा जल मार्ग जो 1620 किमी लंबा है।
(2) सदिया धुबरी के मध्य 891 किमी लंबा ब्रह्मपुत्र नदी जलमार्ग।

Q-16] मौखिक संस्कृति मुद्रित संस्कृति मे शामिल हुई? स्पष्ट कीजिए?

Ans-16] मुद्रित संस्कृति :- छापेखाने का अविष्कार महज तकनीकी दृष्टि से नाटकीय बदलाव की शुरुआत नही था पुस्तक उत्पादन के नये तरीकों ने लोगों की जिन्दगी बदल दी इसकी बदौलत सूचना और ज्ञान से, संस्था और सत्ता से उनका रिश्ता

Date........
Pages........
Rituraj

ही बदल गया मौखिक संस्कृति के निम्नलिखित प्रभाव हुए हैं:

(1) छापेखाने के आने से एक नया पाठक वर्ग उत्पन्न हुआ छपाई से किताबों की कीमते कम हुई।
(2) किताबों तक पहुँच आसान होने से पढ़ने की एक नई संस्कृति विकसित हुई।

अथवा

मुद्रण संस्कृति ने फ्रांस की क्रांन्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियां रची स्पष्ट कीजिए?

1789 मे कई इतिहास कारों का मानना है की मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांन्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ रखी:

(1) पहला छपाई के चलते उन्होने रिति-रिवाजों की जगह विशेष शासन पर बल दिया और माँग की हर चीज को तर्क पर विवेक की कसौटी पर कसा जाएँ उन्होने चर्च की धार्मिक और राज्य की सत्ता पर प्रहार करके परंपरा पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को दुर्बल कर दिया।
(2) दूसरा छपाई ने वाद विवाद संवाद की नई संस्कृतियों को जन्म दिया सारे पुराने मूल्य संस्थासों और कायदो पर आमजनता के बीच बहस हुई और इस तरह सामाजिक क्रांन्ति के नए विचारों का सूत्र पात हुआ।

Q-17) मुद्रण के संदर्भ मे महात्मा गाँधी के विचार थे?

Ans-17) मुद्रण के संदर्भ मे महात्मा गाँधी ने व्यापक विचार प्रस्तुत

फिर उनका मानना था कि मुद्रण संस्कृति क्रांति ला देगी इससे आमजनता तक ज्ञान का प्रवाह पहुँचेगा।

अथवा

उन्नीसवीं सदी में भारत में गरीब जनता पर मुद्रण संस्कृति का क्या असर हुआ?

(1) उन्नीसवीं सदी के मद्रासी शहरों में काफी सस्ती किताबें चौक-चौराहों पर बेची जाती थी, जिनके चलते गरीब लोग भी बाजार से उन्हें खरीदने की स्थिति में आ गए थे

(2) सार्वजनिक पुस्तकालयें खुलने लगी थे जिससे पुस्तकों की पहुँच निःसंदेह बढ़ी थे ये पुस्तकालय छोटे शहरों या कस्बों में होते थे

(3) कार्यखानों कारखानों में मजदूरों से बहुत ज्यादा काम लिया जा रहा था और उन्हें अपने तजुरबे बारे में ढंग से लिखने की शिक्षा तक नहीं मिली।

Q-18] पारिस्थितिकी तंत्र क्या है? वन पारिस्थितिकी तंत्र की उपयोगिता बताइए?

Ans-18) भौतिक पर्यावरण और उसमें रहने वाले जीवों के सम्मिलित रूप को पारिस्थितिकी तंत्र या पारितंत्र कहते हैं।

किफायती
Date
Pages
Rituraj

मानव और दूसरे जीवधारी एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते है। जिसका हम एक मात्र हिस्सा है और अपने अस्तित्व के लिए इसके लिए विभिन्न तत्वों पर निर्भर करते है उदाहरणतया, वायु जिसमे हम साँस लेते है, जल जिसे हम पीते है, जिसके बिना हम जीवित नही रह सकते पौधे, पशु और सूक्ष्मजीवी इनका पुनः सृजन करते है वन पारिस्थितिकी तंत्र मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है क्योंकि ये प्राथमिक उत्पादक है जिन पर हम दूसरे सभी जीव निर्भर करते है वन पारिस्थितिकी तंत्र देश के मूल्यवान वन उपजों, खनिजों और अन्य संसाधनों के संचय कोष है जो तेजी से विकसित होती औद्योगिक - शहरी अर्थव्यवस्था की माँग की पूर्ति के लिए बहुत महत्वपूर्ण

अथवा

भारत ~~एक~~ मे वन संरक्षण के तीन उपाय लिखिए?

भारत के कुछ क्षेत्रों मे विभिन्न समुदायों ने सरकारी तंत्र के साथ मिलकर वन एवं वन्य जीव संरक्षण मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। जिससे भविष्य के इसके लाभकारी प्रभाव मिलने की उम्मीद है। वन एवं वन्य जीव संरक्षण ने इन समुदायो मे अपना योगदान दिया है:-

(1) राजस्थान के अलवर जिले मे 5 गाँव के लोगों ने 1200 हेक्टेयर भू - भाग को भैरादेव डाकव को अभयारण्य घोषित कर दिया है।

(2) राजस्थान के बिश्नोई गाँवों के आस - पास काले हिरण, चिंकारा नीलगाय और मोरों के झुंड मिलना इस बात का प्रमाण देता है कि वहा इन जीवों को कितना खयाल किया जाता है

(3) सरिस्का बाघ परियोजना में राजस्थान के लोगों ने हो रहे डोलामाइड खनन कार्य को बंद करवा दिया है।

Q-19] भारत एक संघीय व्यवस्था वाला देश है इस तथ्य को साबित करने वाले मुख्य तीन बिन्दुओं को लिखिए?

Ans-19] भारत एक संघीय व्यवस्था वाला देश है इस तथ्य को साबित करने वाले मुख्य तीन बिन्दु निम्न है:-

(1) संविधान की सर्वोच्चता।

(2) संविधान के द्वारा केन्द्रीय सरकार और इकाईयों की सरकारों में शक्तियों का विभाजन।

(3) लिखित और कठोर संविधान।

(4) स्वतंत्र उच्चतम ~~नि~~ न्यायालय भारतीय संविधान में संघात्मक शासन के यह सभी प्रमुख लक्षण विद्यमान है।

अथवा

भारत में विकेन्द्रीकरण के तहत त्रिस्तरीय पंचायती व्यवस्था को समझाइए?

वर्ष 1993 में 73 वे व 74 वें संविधान संशोधन के माध्यम से भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम पंचायत (ग्राम स्तर पर) पंचायत समिति (मध्यवर्ती स्तर पर) और

किफायती
Date.........
Pages.........
Rituraj

और पंचायत समिति जिला परिषद (जिला स्तर पर) शामिल है।

(1) **ग्राम पंचायत** :- प्रत्येक गाँव एक ग्राम पंचायत होती है, इसके सदस्य वार्डों से चुने जाते हैं, जिन्हें पंच कहते हैं एवं अध्यक्ष को सरपंच कहा जाता है।

(2) **जनपद पंचायत** :- कई ग्राम पंचायतों को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है इसे मंडल या जनपद पंचायत भी कहते हैं।

(3) **जिला पंचायत** :- कई ~~ग्राम~~ जिला पंचायत को मिलाकर पंचायत समिति का गठन होता है।

Q-20) उधारदाता उधार देते समय समर्थक ऋणाधार (गारन्टी) की माँग क्यों करता है?

Ans-20) उधारदाता उधार देते समय अपने उधार दिये गए पैसे के बदले गारण्टी की माँग करता है क्योंकि उसके मन मे ये डर रहता है की मैंने जिसे पैसे दिए है वह मेरे पैसे डूब तो नही जाएँगे इस ~~शक~~ शंका के चलते उधारदाता के मन मे ये डर हमेशा बना रहता है की मेरे द्वारा उधार दी गई रकम कही डूब न जाए इसलिए वे उधार देते समय उधार लेने वाले से कुछ गारण्टी की माँग करता है गारण्टी के रूप मे वे कभी-कभी जेवर अपने पास रख लेता है या फिर जमीन लिखवा लेता है।

अथवा

मुद्रा के प्रयोग मे वस्तुओं के विनिमय मे सहूलियत कैसे आती है?

वस्तु विनिमय प्रणाली मे जहाँ वस्तुएँ मुद्रा के प्रयोग के बिना आदान प्रदान की जाती है, वहाँ आवश्यकताओं का दोहरे संयोग अवश्यक शर्त होती है मुद्रा के प्रयोग से आवश्यकताओं के दोहरे सहयोग की जरूरत खत्म वस्तु विनिमय प्रणाली की कठिनाइयाँ समाप्त हो गई है। इस तरह मुद्रा के प्रयोग से वस्तुओं के विनिमय मे सहूलियत आती है। उदाहरण :- माना एक चावल विक्रता चावल के बदले जूते खरीदना चाहता है। वस्तु विनिमय प्रणाली मे उसके लिए ऐसे व्यक्ति को ढूँढना मुश्किल होगा जो उससे चावल लेकर बदले मे जूते दे दे। किंतु मुद्रा के प्रयोग मे इस कठिनाई को दूर कर दिया है। वह चावल विक्रता चावल बेचकर मुद्रा अर्जित करेगा तथा उस मुद्रा से जूते खरीद लेगा।

Q-2] असहयोग आन्दोलन मे चौरी-चोरा की घटना का महत्व लिखिए?

Ans-2] असहयोग आन्दोलन का स्थगत :- आन्दोलन जिस समय तीव्र गति से चल रहा था उस समय ही एक दुर्घटना हो गयी जिसके कारण गाँधीजी को आन्दोलन समाप्त करना पड़ा 5 फरवरी 1922 को गोरखपुर जिले मे चौरी-चौरा नामक गाँव को उत्तेजित

भीड़ ने पुलिस थाने मे आग लगा दी । गाँधीजी अहिंसात्मक आन्दोलन मे विश्वास करते थे अतः इस हिंसात्मक घटना ने ~~उसके~~ उनके सिद्धान्तो को आघात पहुँचाया । अनेक राष्ट्रीय नेताओ द्वारा मना की जाने पर भी 12 फरवरी 1922 को उन्होने अपना आन्दोलन बंन्द कर दिया यह प्रथम आन्दोलन था जिसने राष्ट्रव्यापी रूप धारण किया था । दो दिन के पश्चात ही ब्रिटिश शासन द्वारा महात्मा गाँधी ने 6 ~~मार्च~~ वर्ष कारावास का दण्ड दे दिया गया ।

अथवा

गरीब किसान , सविनय अवज्ञा आंदोलन मे क्यों शामिल हुए ? कांग्रेस उनकी माँगो को पूरा समर्थन क्यों नही दे पाई ?

सन 1930 ई. मे लाहौर मे हुए अधिवेशन मे पूर्ण स्वाधीनता को अपना लक्ष्य घोषित किया और गाँधीजी के नेतृत्व मे सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ करने का निश्चय किया गया । गाँधीजी ने इस आन्दोलन मे निम्न प्रमुख कार्यक्रम रखे :-

(1) जगह- जगह नमक कानून तोड़कर नमक बनाया जाए ।
(2) सरकारी कर्मचारी सरकारी नोकरीयों को त्याग दे और छात्र सरकार स्कूल कालेजो का बहिष्कार ।
(3) विदेशी वस्त्रों को त्याग कर उनकी होली जलाई जाए ।
(4) जनता सरकार को कर न दे ।

गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन का शुभारंभ नमक कानून का उल्लंघन कर किया। 12 मार्च 1930 को गाँधीजी ने दांडी के लिए प्रस्थान किया और वह 5 अप्रैल को पहुँचे यह घटना दांडी यात्रा के नाम से प्रसिद्ध है। मार्ग जनता ने सत्याग्रहियों का अभूतपूर्व स्वागत किया। वह उन्होंने नमक कानून का उल्लंघन किया। एक लाख से अधिक व्यक्ति गिरफ्तार हुए 1934 ई. मे गाँधीजी ने आन्दोलन को समाप्त कर दिया।

Q-22] लोकतंत्र मे राजनीतिक दलों की आवश्यकता क्यों है ~~समाझ~~ समझाइए?

Ans-22] लोकतंत्र मे राजनीतिक दलों की आवश्यकता निम्न कारणों से है:-

(i) संसार मे बड़े से बड़े देश है जिनमे लोकतांत्रिक व्यवस्था है क्योंकि इन बड़े देशो मे एक व्यक्ति द्वारा शासन संभव नही है, इसलिए कई लोगों के समूह मिलकर शासन करते है। ऐसी स्थिति मे लोगों को एक समूह के रूप मे संगठित करने के लिए राजनीतिक दल की आवश्यकता होती है।

(ii) लोकतांत्रिक व्यवस्था मे जनता के मत्त्व द्वारा शासन वर्ग का चुनाव होता है इसके लिए एक देश या प्रांत को कई चुनाव क्षेत्रों मे विभाजित किया जाता है। राजनीतिक दल की चुनाव की जनता का

प्रतिनिधित्व करने वाले अपने उम्मीदवार खड़ा करते है और बहुमत मिलने पर सरकार का गठन करती है एक व्यक्ति द्वारा एक क्षेत्र मे चुनाव जीतकर सरकार का गठन कराना संभव नही है। ऐसी स्थिति मे राजनीतिक दल की आवश्यकता होती है।

(iii) राजनीतिक दल मे एक विचारधारा के लोग सम्मिलित होते है जो चुनाव मे बहुत से बहुमत मिलने पर सरकार का गठन करते है और पूरे कार्यकाल एक शासन करते है। लेकिन अगर विभिन्न विचारधाराओं के लोग जो विभिन्न चुनाव क्षेत्रों मे जीतकर सरकार का गठन करते है यदि उनमे कोई मतभेद ~~उत्त~~ उत्पन्न हो जाता है तो उनके द्वारा गठित सरकार चुनने की होगी। ऐसी स्थिति मे प्रभावी राजनीतिक दलों की आवश्यकता होती है जो सता मे अपने आने पर ठीक से सरकार संचालित कर सके इस प्रकार हम कह सकते है कि लोकतंत्र को प्रभावी और मजबूती बनाने मे राजनीति दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

अथवा

लोकतंत्र मे राजनीतिक दलों की विभिन्न भूमिकाओं की चर्चा कीजिए?

~~जनता~~ लोकतंत्र मे राजनीतिक दल अनेक प्रकार के कार्य करते है:- इनमे मुख्य कारक निम्नलिखित है:-

(1) जनमत तैयार करना :- राजनीतिक दल देश की समस्याओं को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखकर

किफायती
Date
Pages
Rituraj

जनमत तैयार करते है। वे यत्र - पत्रिकाओं तथा इन समस्याओं को सरल ढंग से सामने रखते है और फिर इन्हे लोकमत को तथा जनता की कठिनाइयों को संसद मे रखते है।

(2) मध्यस्थता :- राजनीतिक दल जनता और सरकार के बीच मध्यस्थता का कार्य करते है। सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जनता के सामने तथा जनता की इच्छाओं को सरकार के सामने रखते है।

(3) आलोचना :- प्रजातन्त्रीय शासन मे बहुमत प्राप्त दल अपनी सरकार बनाता है और अल्पतम दल विरोधी दल का कार्य करते है। विरोधी दलों की आलोचना के भय से सत्तारूढ़ दल गलत कार्यों व नीतियों नही अपनाता।

(4) राजनीतिक शिक्षा :- राजनीतिक दल साधारण नागरिकों को राजनीतिक शिक्षा देने का कार्य भी करते है। चुनाव के दिनों मे राजनीतिक दल प्रेस, रेडियो, टी.वी, व सभाओं के माध्यम से अपनी नीतियों व जनता के अधिकारों का वर्णन करते है। इससे नागरिको को राजनीतिक शिक्षा मिलती है।

(5) शासन पर अधिकार करना :- राजनीतिक दलों का अंतिम उद्देश्य शासन पर अधिकार करना होता है वे प्रचार साधनों के द्वारा जनमत को अपने पक्ष मे करते है और सत्ता का अधिकार करने का प्रयास करते है।

(6) संसदीय सरकार के लिए अनिवार्य :- संसदीय शासन व्यवस्था में सरकार का निर्माण दलों के आधार पर होता है। संसद के निम्न सदन में जिस दल का बहुमत होता है, वह सरकार बनाता है।

(7) लोकतंत्र के लिए अनिवार्य :- लोकतन्त्रात्मक शासन में राजनीतिक दल अनिवार्य होता है उसके बिना निर्वाचन की व्यवस्था करना कठिन है। दलों से ही सरकार बनती है और वही उस पर नियंत्रण रखते है उनके माध्यम से सरकार व जनता के बीच संम्पर्क स्थापित होता है और जनता की कठिनाईयों से सरकार अवगत होती है।

(8) मतदान मे सहायक :- राजनीतिक दलों के संहयोग में नागरिकों को निर्वाचन के समय यह निर्णय लेने में कठिनाई नही होती कि उन्हें अपना मत किस उम्मीदवार को देना है। वह जिस दल के कार्यक्रम व नीति को पसंद करता है। उसी उम्मीदवार के पक्ष मे मतदान कर देता है।